

## Inhalt

|       |   |           |
|-------|---|-----------|
|       | Vorwort   | Seite 7   |
| I.    | Kunst und Idee  | Seite 15  |
| II.   | Berufung und Form   | Seite 19  |
| III.  | Erklärungen   | Seite 31  |
| IV.   | Die Tradition und ihre Feinde<br>in der heutigen Kunst            | Seite 53  |
| V.    | Besuch bei Picasso  | Seite 71  |
| VI.   | Erinnerung an Hans Arp  | Seite 77  |
| VII.  | Sehen lernen – ein Spiel  | Seite 81  |
| VIII. | Die Kunst und die Funktionäre                                     | Seite 85  |
| IX.   | Mirós Unschuld  | Seite 95  |
| X.    | Soziale Tendenz und technische Funktion:<br>Zwei neue Akademismen | Seite 101 |
| XI.   | Eine Kunst für die Reichen?                                       | Seite 115 |
| XII.  | Die Mauer als Ausdrucksmittel                                     | Seite 129 |
| XIII. | Ästhetische Nicht-Transzendenz<br>und Konformismus                | Seite 137 |
| XIV.  | Kultureller Schwindel   | Seite 151 |
| XV.   | Fußnoten zu Herbert Marcuse                                       | Seite 161 |
| XVI.  | Nichts ist gering   | Seite 173 |